नईदुनिया

भारत में धातु और इस्पात उद्योग की वृद्धि में एमसीएक्स के माध्यम से मिलेगा नया आयाम

कोलकाता। भारत में धातु और इस्पात उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका और दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस उद्योग की प्रगति को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यह कदम छोटे निर्माताओं को भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ती संभावनाओं का लाभ दिलाने में सहायक होगा। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम और स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स प्रेसेंट ने कोलकाता के एक पांच सितारा होटल में मेटल कॉन्क्लेव नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में धातु और इस्पात क्षेत्र की विभिन्न स्तरों की कंपनियों के अधिकारी शामिल हुए।

ज्ञात हो कि 2006 में भारत सरकार ने माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइज (एमएसएमई) विकास अधिनियम के तहत इस क्षेत्र के नियम-कानून लागू किए थे। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विभोर टंडन ने इस अवसर पर कहा कि देश के कुल जीडीपी का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एमएसएमई से प्राप्त होता है। देश की बढ़ती जनसंख्या और विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की मांग के साथ-साथ धातु और इस्पात उद्योग का महत्व भी तेजी से बढ़ रहा है। टंडन ने कहा कि एमसीएक्स के स्टैंडर्डाइजेशन एंड लिस्टिंग के बारे में कई लोगों की स्पष्ट समझ नहीं है। एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के लगभग 250 सदस्य और स्टार्ट अप एक्सेलेरेटर्स के लगभग 800 सदस्यों को इस उद्योग के विभिन्न अज्ञात पहलुओं के बारे में जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इस कॉन्क्लेव में विभोर टंडन के अलावा चित्तरंजन रेगे, महेश अग्रवाल, टाटा स्टील के चीफ जनरल मैनेजर संजय बेहेरा भी शामिल हुए। चर्चा के दौरान कच्चे माल की कीमत, बिक्री मूल्य, तकनीकी बदलाव के साथ रोल ऑफ रेगुलेटर्स, प्राइस मैकेनिज्म जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे सामने आए। गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज, इन 3 प्रकार की सर्टिफिकेशन और उनके नियमों के बारे में भी जानकारी दी गई। यह भी बताया कि इन प्रमाणपत्रों के आधार पर केंद्र सरकार से सब्सिडी प्राप्त की जा सकती है। 20 निर्दिष्ट मानकों को पूरा करने पर गोल्ड सर्टिफिकेशन प्रदान किया जाएगा। धातु क्षेत्र में वित्तपोषण की भूमिका पर चर्चा में अभीक गुप्ता, ममता बिनानी, प्रज्ञा झुनझुनवाला आदि विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस चर्चा में जीएसटी जैसे वित्तीय और कर से संबंधित मुद्दों पर भी विचार किया गया। एक निजी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी इंद्रजीत घोष ने मंच पर संक्षिप्त भाषण दिया। चर्चा में विभिन्न बैंकों और निजी कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

कॉरपोरेट सेक्टर में घटते जा रहे हैं रोजगार, 4.2 फ़ीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। भारत के कारपोरेट सेक्टर में रोजगार के अवसर लगातार कम होते चले जा रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में रोजगार 4.2 फ़ीसदी घटकर मात्र 1.5 फ़ीसदी पर आ गया है। 2022-23 में रोजगार की दर 5.7 फ़ीसदी थी,जो अब घटकर 1.5 फ़ीसदी रह गई है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022-23 में 3.33 लाख लोगों को रोजगार मिला था। पिछले वर्ष में यह संख्या घटकर 90840 रह गई है। रिपोर्ट में 1196 बड़े और मध्यम आकार की कंपनियों के रोजगार डाटा का विश्लेषण करने के बाद यह जानकारी सामने आई है। भारतीय उद्योग जगत में रोजगार वृद्धि का परिदृश्य बड़ी तेजी के साथ नकारात्मक होता जा रहा है। 2022-23 में पहली बार हायर ग्रोथ देखने को मिली थी। 2023-24 में यह नकारात्मक रूप से देखने को मिल रही है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने जो रिपोर्ट जारी की है। उसमें 603 कंपनियों के सर्वे के आधार पर जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार रिटेल, सेल्स, ट्रेडिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल्टी सेक्टर में रोजगार मिला है। वही हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, बिजनेस सर्विस और टेक्सटाइल में नौकरियां घटी हैं। जो रोजगार के लिए चिंता का विषय है।

बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली। बीसी जिंदल समूह ने भारत के अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में प्रवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। उसने कहा कि इसमें अगले पांच साल में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश किया जाएगा। कंपनी के बयान के अनुसार ओडिशा के अंगुल में 1,200 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन के मौजूदा खंड के साथ बीसी जिंदल समूह ने उसके अक्षय उद्यम के लिए एक समर्पित इकाई की स्थापना की है। बयान में कहा गया, समूह अगले पांच वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में करीब 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है। भारत का अग्रणी समूह बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा उत्पादन और सौर सेल व मॉड्यूल विनिर्माण व्यवसायों की देखरेख करेगा। इसमें कहा गया, जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी (जेआईआरई) का लक्ष्य सौर, पवन, हाइब्रिड और एफडीआरई मोड से पांच गीगावाट बिजली उत्पन्न करना है। जेआईआरई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए ब्राउन एनर्जी अब भी प्रमुख हैं। हमारा लक्ष्य अपनी मौजूदा बिजली कंपनी की ताकत का लाभ उठाकर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख इकाई के तौर पर काम करना है। जेआईआरई, बीसी जिंदल समूह के अंतर्गत काम करती है। इसकी स्थापना 1952 में बीसी जिंदल ने की थी।

डॉबर इंडिया अपना विनिर्माण संयंत्र तमिलनाडु में स्थापित करेगी : मंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया के राज्य के विल्लुपुरम जिले में 400 करोड़ रुपये खर्च कर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की गुरुवार को घोषणा की। राज्य के उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा ने कहा कि इसके लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राजा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, डाबर इंडिया तमिलनाडु में आपका स्वागत है। बल्कि दक्षिण भारत में आपका स्वागत है। राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उपस्थिति में विल्लुपुरम जिले के तिंडिवनम में एसआईपीसीओटी फूड पार्क में डाबर के साथ दक्षिण भारत में उसका पहला विश्व स्तरीय विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कंपनी इस सुविधा में 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 250 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। राजा ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे आसपास के डेल्टा क्षेत्र के किसानों के लिए कृषि उत्पाद बेचने के नए अवसर खुलेंगे।

लगातार छठे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 81 हजार के पार, निवेशकों को 1.27 लाख करोड़ का मुनाफा

सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार छठे कारोबारी दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। गुरुवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ होने के बाद दिन के कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से शेयर बाजार की चाल में मामूली गिरावट भी आई लेकिन लिवाली का जोर बने रहने की वजह से शेयर बाजार लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। बाजार की तेजी के कारण 2 अगस्त के बाद पहली बार सेंसेक्स 81 हजार अंक के ऊपर पहुंच कर खुला और पूरे दिन के कारोबार के बाद 81 हजार के स्तर के ऊपर ही बंद होने में सफल भी रहा। दिन भर की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

गुरुवार को कारोबार के दौरान टेलीकॉम, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 460.51 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.24 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरुवार को कारोबार से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,053 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,454 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,509 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 90 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

एनएसई में गुरुवार को 2,378 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,460 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 918 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 301.94 अंक के उछल कर 81,207.24 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद से ही तेजडियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 331.15 अंक की मजबूती के साथ 81,236.45 अंक के स्तर तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 80,954.02 अंक तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 147.89 अंक की तेजी के साथ 81,053.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने गुरुवार को 93.20 अंक की मजबूती के साथ 24,863.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। लिवाली का समर्थन मिलने पर ये सूचकांक उछल कर 24,867.35 अंक तक पहुंचा लेकिन बिकवाली शुरू हो जाने पर इसने 24,784.45 अंक तक गोता भी लगा दिया। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 41.30 अंक की बढ़त के साथ 24,811.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ग्रासिम इंडस्ट्रीज 2.62 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.40 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.56 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.46 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरुवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। टाटा मोटर्स 1.54 प्रतिशत, विप्रो 1.40 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.37 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.32 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में आई मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने के भाव में तेजी का रुख रहा। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गुरुवार को मामूली गिरावट आई है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये का स्तर पार करके 73,360 रुपये से लेकर 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67 हजार रुपये के स्तर को पार करके 67,260 रुपये से लेकर 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गुरुवार को सोने की कीमत में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पंजाब के सीएम भारतीय कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों से मिले

मुंबई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महाराष्ट्र के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई भारतीय कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और अपने पंजाब के लिए कई प्रमुख निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगाई। सन फार्मास्यूटिकल्स, आरपीजी ग्रुप, सिफी टेक्नोलॉजीज और जेएसडब्ल्यू ग्रुप जैसे प्रमुख कॉरपोरेट उन कंपनियों में से थे, जिन्होंने पंजाब में निवेश करने या वहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की।

मान से मुलाकात करने वाले शीर्ष उद्यमियों में सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रीडिएंट्स बिजनेस के सीईओ दामोदरन सतगोपन, आरपीजी ग्रुप के उपाध्यक्ष अनंत गोयनका, सिफी टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष दलीप कौल और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बिजनेस प्रमुख अमरजीत सिंह दहिया और शामिल थे। उद्योगों के लिए रेड कारपेट बिछाने की पेशकश करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब को अवसरों से भरपूर बताया

और कंपनियों को वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य तेजी से देश में एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है और अपने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए विचारों और नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है।

मान ने कहा कि पंजाब में पूर्ण सामाजिक सद्भाव, शांति और सौहार्द है, जो मुख्य रूप से राज्य में समग्र विकास और समृद्धि के लिए जिम्मेदार है। राज्य हर क्षेत्र को निर्बाध बिजली प्रदान करने के अलावा उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा, कुशल मानव संसाधन और सर्वोत्तम औद्योगिक और कार्य संस्कृतियां प्रदान करता है जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपने व्यवसाय का विस्तार करने में सक्षम बनाएंगी।

देश की जीडीपी ग्रोथ रेट पहली तिमाही में 6 फीसदी रहने का अनुमान : इक्रा

जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी तथा शहरी उपभोक्ता मांग में नरमी आने से देश की आर्थिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में छह फीसदी रहने का अनुमान जताया है। हालांकि जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर के आधिकारिक आंकड़े 30 अगस्त को आएंगे।

निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए लिमिटेड) ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अप्रैल-जून तिमाही में छह फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे कम है। इक्रा ने पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने की उम्मीद जताई है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 8.2 फीसदी की ग्रोथ से कम है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर का आधिकारिक आंकड़ा 30 अगस्त, 2024 को जारी करेगा। इससे पिछले वित्त 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को चालू वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी और पहली तिमाही में वृद्धि दर 7.1 फीसदी रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि आईसीआरए लिमिटेड एक भारतीय स्वतंत्र और पेशेवर निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है। इस कंपनी की स्थापना 1991 में हुई थी। इसका मूल नाम इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लिमिटेड था। हालांकि, इसे इक्रा के नाम से जाना जाता है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। ब्याज दर में कटौती होने की संभावना से उत्साहित अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र में के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गुरुवार को मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर के महीने में ब्याज दरों में कटौती करने का साफ संकेत देने के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,620.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 102.05 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 17,918.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत

किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गुरुवार को फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,837.38 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,283.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत उछल कर 7,524.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,448.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ

एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 183.02 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,134.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,459.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 1,338.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,860.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,364.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स भी अभी तक के कारोबार में 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 22,149.03 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स भी 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,698.14 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत फिसल कर 7,519.24 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 2,855.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कोल इंडिया महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयासरत : अफसर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) घरेलू बाजार और विदेशों में लिथियम समेत महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयास कर रही है। यह बात हाल ही में कोल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कही। कंपनी ने कहा है कि वह ऐसे ब्लॉक की नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी।

लीथियम समेत महत्वपूर्ण खनिज, पवन टर्बाइन से लेकर इलेक्ट्रिक कारों तक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इलेक्ट्रिक कारों के लिए बैटरी के उत्पादन के लिए इनकी खास तौर पर मांग है। कोल इंडिया के एक अधिकारी ने कंपनी की 50वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा कि लीथियम, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कंपनी भारत और विदेशों में इन खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सीआईएल खान मंत्रालय द्वारा पेश किए गए महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सीआईएल ने घरेलू महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्ति में सफलतापूर्वक अपना खाता खोला है और मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी है। यह कंपनी का पहला गैर-कोयला खनिज खनन उद्यम होगा। यह उपलब्धि खान मंत्रालय द्वारा नौ जुलाई को आयोजित द्वितीय चरण की नीलामी के तहत हासिल की गई।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017